योजना कार्यक्रम का पुनर्विलोकन

1759. **श्री आर० बी० बड़े** : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या प्रधान मंत्री ने भारतीय वाणिज्य उद्योग संघ के पिछले सम्मेलन में यह उल्लेख किया था कि योजना के तरीके के बारे में पुन: अनुमान तथा पुनर्विलोकन करना पड़ेगा; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में अब तक क्या प्रगति हुई है और इस बारे में क्या परिणाम निकले हैं ?

योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मोहन धारिया) : (क) 10 अप्रैल 1971 को हुए भारतीय वाणिज्य तथा उद्योग मंडल संघ के 44 वें वार्षिक अधिवेशन के उद्घाटन भाषण में प्रधानमंत्री ने अन्य बातों के साथ-साथ कहा था कि योजना प्रक्रिया का पुनर्मूल्यांकन शीघ्र ही किया जायेगा।

(ख) पुनर्विचार किया जा रहा है।

Representation from Rubber Board Workers for Bonus

1760. SHRIMATI BHARGAVI THANKAPPAN : Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether Government had received any representation from the employees of the Rubber Board for settling bonus ; and

(b) whether any action has been taken by Government on the representation ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI A. C. GEORGE) : (a) and (b). No representation from the employees of the Rubber Board regarding bonus has been received. The implications of payment of bonus to employees was considered by the Board at its meeting held in February 1971 and Chairman was authorised to obtain legal opinion. Thereafter the proposal will be considered at the future meeting of the Board. Government will, no doubt, examine on receipt of the proposal from the Board.

Activities of American Peace Corps Workers and Junior Diplomats of American Embassy

1761. SHRI SAROJ MUKHERJEE : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether the attention of Government has been drawn to the activities of the American Peace Corps workers and Junior diplomats of American Embassy in India near the border of West Bengal-Bangla Desh ;

(b) if so, whether Government have taken any steps to stop their activities ; and

(c) the reason for their staying in the sensitive border area thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI K. C. PANT) : (a). No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

Overhauling of Planning Commission

1762. SHRI K. LAKKAPPA :
SHRIMATI BHARGAVI THANKAPPAN :

Will the Minister of PLANNING be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under consideration of Government to overhaul the Planning Commission ;

(b) whether in view of the creation of Ministry of Planning, Planning Commission will retain its earlier status ; and

(c) if so, the nature of changes made or likely to be made in this regard ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING (SHRI MOHAN DHARIA): (a) and (c). There may be changes in membership of the Planning Commission. No major change in the functions of the Planning Commission is contemplated.

(b) Yes, Sir.

———

12 hrs.

CALLING ATTFNTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPOREANCE

REPORTED UNEARTHING OF A LONG DISTANCE CALL RACKET IN DELHI

श्री शशि भूषण (दक्षिण दिल्ली): अध्यक्ष महोदय, मैं संचार मंत्री का ध्यान अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्न विषय की ओर दिलाना चाहता हूं और उनसे अनुरोध करता हूं कि वे वक्तव्य दें :

"दिल्ली में दूरस्थ स्थानों को टेलीफोन करने का अवध धन्धा करने वाले लोगों के गिरोह का पता लगने के समाचार।"

संचार मंत्री (श्री हेमवती नंदन बहुगुणा): विभाग को टेलीफोन उपभोक्ताओं से ऐसी शिकायतें मिली थी कि उन्हे सदेह है कि बेईमान कर्मचारियों की सांठ-गांठ से उनकी टेलीफोन लाइनों से अनधिकृत काल किए जा रहे हैं। इस तरह की हर शिकायत के मिलने पर विभाग इस बात का पता लगाने के लिए उचित जाच-पड़ताल करता रहा है कि क्या ऐसी कोई शरारत की जा रही है। किन्तु इसे सिद्ध करने के लिए कोई ठोस प्रमाण नही मिले थे। तथापि सन्देह कुछ पक्के होने के कारण कुछ समय पहले कुछ कर्मचारियों की दिल्ली से बाहर बदली कर दी गई थी।

हाल ही में जनता के किसी व्यक्ति से कुछ सूचना मिलने पर विभाग ने कुछ और विस्तृत सूचना एकत्रित की और उसकी तथा केंद्रीय जाच ब्यूरो (सी० बी० आई०) के भ्रष्टाचार विरोधी विभाग की सहायता से 4 जून, 1971 को उन्हें पकड़ने के लिए जाल बिछाने की व्यवस्था की गई। इसके परिणामस्वरूप एक लाइनमेन और एक मजदूर को मुखबिर का जयपुर के लिए लम्बी दूरी की काल की पेशकश करते और बम्बई के काल के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की लाईनों को एक दूसरे से बदलते हुए रगे हाथों पकड़ा गया। भ्रष्टाचार विरोधी विभाग ने इन दोनों कर्मचारियों को हिरासत मे ले लिया है। उनके मामलो मे आगे कार्रवाई की जा रही है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि ऐसी शरारत इसी कारण से होती है कि कुछ बेईमान टेलीफोन उपभोक्ता निम्न-ग्रेड कर्मचारियों को ऐसी अनधिकृत कार्य करने के लिए प्रलोभन देते है। विभाग ऐसे भ्रष्ट तरीकों को समाप्त करने के लिए जनता का सहयोग प्राप्त करने के लिए सक्रिय प्रयत्न कर रहा है।

विभाग को ऐसी शरारत की संभावना के बारे में बहुत चिन्ता है, क्योंकि इससे किसी निर्दोषक उपभोक्ता को अनावश्यक नुकसान हो सकता है। इस संबंध में ध्यानपूर्वक जांच करने के परिणामस्वरूप कई कदम उठाए गए हैं, मिसाल के तौर पर मीटर कक्ष को ताला लगाना और मीटरों पर सील करना। लाइनों के वितरण प्वाइंटों को जहां से कि काल को आसानी से दूसरी लाइन पर डाला जा सकता है, उत्तरोत्तर खम्बों पर और अधिक ऊंचा किया जा रहा हैं, ताकि लाइनों तक पहुंच ज्यादा कठिन हो जाए। काफी बड़ी संख्या में वितरण प्वाइंटों को ऊंचा कर दिया गया है और अन्य को उत्तरोत्तर